

श्रद्धांजलि के बीच
‘सुखद अहसास’

अमित शाह देंगे अमर वाटिका में शहीदों को श्रद्धांजलि अब बस्तर में शांति



छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

11 माह से स्थिर है बलिदान पट्टिका अंतिम नाम आकाश, यहीं जाएंगे शाह

हरिभूमि न्यूज़ ►► जगदलपुर

चार दशक से लाल आतंक के दंश को झेल रहे बस्तर के आसमान में अब शांति की नई सुबह अंगड़ाइयां ले रही है। यह महज दावा नहीं, बल्कि उन पट्टिकाओं की गवाही है जिस पर शहीदों के नाम सुनहरे अक्षरों में अंकित होते हैं। संभागीय मुख्यालय जगदलपुर के प्रवेश द्वार आमगुड़ा

नक्सली खत्म, सीधी लड़ाई के लायक नहीं, कांग्रेस का हादसा बारूद को डिफ्यूज करते वक्त हुआ

स्थित 'अमर वाटिका' में बलिदान का सिलसिला फिलहाल थमा हुआ है। पिछले 11 महीनों से इस वाटिका की पट्टिकाओं पर कोई नया नाम नहीं जुड़ा है। अंतिम नाम एएसपी आकाश राव गिरेपुंजे का है, जो 9 जून 2025 को सुकमा में वीरगति को प्राप्त हुए थे।

उसके बाद बीते साल दिसंबर में नक्सलियों के साथ एनकाउंटर में तीन जवान शहीद हुए थे। वहीं कांग्रेस में बारूद के नष्टीकरण में तीन जवानों की शहादत हुई। लेकिन नक्सली अब सीधी लड़ाई के लायक नहीं रहे हैं। नक्सल खात्मा हो चुका है। बेशक...इसका श्रेय केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को जाता है। श्री शाह 18 मई को अमर ►►शेष पेज 7 पर

आज से 3 दिन छत्तीसगढ़ में रहेंगे अमित शाह, रायपुर और बस्तर में कई अहम कार्यक्रम- बैठकें

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह अपने तीन दिवसीय प्रवास पर रविवार को देर शाम रायपुर पहुंचेंगे। वे दौरे के दौरान

18 मई को रायपुर में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। उसी दिन दोपहर को बस्तर रवाना होंगे। वे 19 मई को मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक को अध्यक्षता करेंगे। बैठक में चार राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल होंगे।

जारी दौरे के शेड्यूल के अनुसार केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 17 मई की रात 8:30 बजे राजधानी रायपुर पहुंचेंगे। तय कार्यक्रम के अनुसार वे रायपुर एयरपोर्ट ►►शेष पेज 7 पर

तैयारियों का डिप्टी सीएम शर्मा ने लिया जायजा

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने केंद्रीय गृह मंत्री के प्रस्तावित बस्तर प्रवास को लेकर तैयारियों का जायजा लिया। नेतानार स्थित शहीद गुण्डाधुर सेवा डेरा पहुंचकर उन्होंने विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सेवा डेरा परिसर में संचालित सेवा सेतु केंद्र, बैंक सजी केंद्र तथा महिला स्व सहायता समूहों द्वारा संचालित आर्थिक गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने कार्यक्रम स्थल का भी निरीक्षण किया तथा वहां साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और आवश्यक निर्देश अधिकारियों को दिए।

गृह विभाग ने जारी किया आदेश

आखिर अरुण देव गौतम बने छत्तीसगढ़ के पूर्णकालिक डीजीपी

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन ने राज्य के लिए पूर्णकालिक पुलिस महानिदेशक के नाम की घोषणा



कर दी। 16 मई को गृह विभाग द्वारा जारी किए गए आदेश में 1992 बैच के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी अरुण देव गौतम को पुलिस महानिदेशक बनाया गया है। श्री गौतम इससे पहले प्रभारी पुलिस महानिदेशक के तौर पर कामकाज देख रहे थे।

14 महीने रहे प्रभारी डीजीपी: छत्तीसगढ़ के नए डीजीपी अरुण देव गौतम बनाए गए हैं, जो पूर्णकालिक पुलिस महानिदेशक होंगे। हालांकि वे छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक ►►शेष पेज 7 पर

नियुक्ति में देर पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ के पूर्व डीजीपी अशोक जुनेजा के 4 फरवरी 2025 को रिटायर होने के बाद सरकार ने अरुण देव गौतम को 5 फरवरी 2025 को प्रभारी डीजीपी बनाया था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट के 'प्रकाश सिंह बनाम भारत सरकार' मामले में स्पष्ट निर्देश हैं कि डीजीपी की नियुक्ति नियमित और तय प्रक्रिया के तहत होनी चाहिए। 5 फरवरी 2026 को 'टी. धनोपाल राव बनाम यूपीएससी' मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा था कि नियुक्ति में देर होने पर जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

नीदरलैंड में प्रवासी भारतीयों को किया संबोधित मोदी बोले-दुनिया के लिए यह आपदाओं का दशक



एजेसी ►► हेग

भारत को 'अवसरों की भूमि' बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि देश अभूतपूर्व परिवर्तन से गुजर रहा है। इसकी आकांक्षाएं अब इसकी सीमाओं तक सीमित नहीं हैं। नीदरलैंड के हेग में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत बड़े सपने देख रहा है और उसके युवा आसमान छूने की आकांक्षा रखते हैं। मोदी ने कहा कि आज मानवता के सामने कई बड़ी चुनौतियां हैं। ये दशक आपदाओं का दशक बन गया है। दुनिया पहले कोरोना, फिर युद्ध और अब ऊर्जा संकट से जूझ रही है। अगर हालात नहीं बदले तो बीते कई दशकों के काम पर पानी फिर जाएगा और दुनिया की बहुत बड़ी आबादी गरीबी के दलदल में फंस जाएगी।

■ पीएम मोदी ने बताया- पहले कोरोना, फिर युद्ध, अब ऊर्जा संकट

तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप नेटवर्क

पीएम मोदी ने भारत के स्टार्टअप परिवेश की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप नेटवर्क है। भारत ओलंपिक की मेजबानी करना चाहता है, वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनना चाहता है, हरित ऊर्जा में अग्रणी बनना चाहता है और विश्व का विकास इंजन बनना चाहता है। यह याद दिलाते हुए कि 2014 में भारत में केवल चार यूनिर्कोर्न (एक अरब डॉलर या उससे अधिक मूल्यांकन वाले स्टार्टअप) कंपनियां थीं, मोदी ने कहा कि अब भारत में लगभग 125 सक्रिय यूनिर्कोर्न कंपनियां हैं। उन्होंने कहा, आज हमारे स्टार्टअप एआई, रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्र में उल्लेखनीय काम कर रहे हैं।

हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

सरकार ने शनिवार को चांदी के आयात पर अंकुश लगाते हुए इसे प्रतिबंधित श्रेणी में रखने का निर्णय किया। इसके तहत चांदी के आयात को अब लाइसेंस प्रणाली के अंतर्गत लाया गया है। कीमती धातुओं पर भारी सीमा शुल्क लगाने के कुछ ही दिनों बाद यह कदम उठाया गया है।

सरकार ने 13 मई को कीमती धातुओं सोना और चांदी पर आयात शुल्क छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया था। प्रभावी शुल्क (3 प्रतिशत आईजीएसटी सहित) 18 प्रतिशत से अधिक है। यह वृद्धि गैर-जरूरी आयातों पर अंकुश लगाकर विदेशी मुद्रा की निकासी को नियंत्रित करने के लिए की गई थी। विदेश व्यापार महानिदेशालय ने एक अधिसूचना में कहा कि सोने और प्लैटिनम के साथ ►►शेष पेज 7 पर

केंद्र सरकार का बड़ा एक्शन, सोने के बाद अब चांदी पर सख्ती

पश्चिम एशिया युद्ध का असर

पश्चिम एशिया युद्ध के शुरू होने से पहले, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह में 728.49 डॉलर के अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था, लेकिन एक मई को समाप्त सप्ताह में यह 690 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया। इस युद्ध के कारण आयात की लागत बढ़ने से रुपये पर दबाव पड़ा है।

आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार एक मई को समाप्त सप्ताह में भारत की विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति (एफसीए) घटकर 551.8 अरब डॉलर रह गई, जबकि स्वर्ण भंडार कम होकर 115 अरब डॉलर रहा। एफसीए विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक है।



इन पर लगाई पाबंदी

सरकारी नोटिफिकेशन के मुताबिक, अब 99.9% शुद्धता वाला सिल्वर बार, अनरॉट सिल्वर (कच्ची चांदी), चांदी पाउडर और सोने या प्लैटिनम की परत चढ़ी चांदी को विदेश से मंगाने के लिए सरकार की अनुमति लेनी होगी। पहले इनका आयात आसानी से किया जा सकता था, लेकिन अब इन्हें 'रिस्ट्रिक्टेड' कैटेगरी में डाल दिया गया है।

150 फीसदी बढ़ गया आयात

वित्त वर्ष 2025-26 में, ऊंची कीमतों के कारण आयात लगभग 150 प्रतिशत बढ़कर 12 अरब डॉलर तक पहुंच गया। मात्रा के हिसाब से, पिछले वित्त वर्ष में यह 42 प्रतिशत बढ़कर 7,334.96 टन रहा। चांदी का भाव लगभग 2.53 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गया है। इस धातु का उपयोग बिजली के स्विच और सौर पैनल से लेकर, इलेक्ट्रिक वाहन और चिकित्सा उपकरण तक में होता है।

Hero

भरोसे का सफ़र हर किलोमीटर

हीरो स्प्लेंडर+ की शानदार माइलेज के साथ, अब कोई मंज़िल दूर नहीं.

Splendor+

FILL IT. SHUT IT. FORGET IT.

एक्स-शोरूम कीमत
₹76 562' से शुरू

डाउन पेमेंट
₹6 999' से शुरू

कॉर्पोरेट ऑफर्स
₹2 200' तक

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No. 2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - IL, New Delhi-110070, India. I CIN: L35911DL1984PLC0173541. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. "As per the cumulative dispatch numbers of the Splendor family series of motorcycles until March 2025. World's no 1 disclaimer- World's largest Two-Wheeler manufacturer with the highest Two-wheeler unit sales by a single corporate entity globally, for the past 25 years. Data Source: Certificate from SIAM dated 9th January 2026. *Finance offers are at the sole discretion of the financier, subject to its respective T&Cs. *Limited period offer, T&C apply. Hero MotoCorp reserves the right to modify or withdraw any or all offers without prior notice. "Ex-showroom price of Splendor+ drum brake non i3S variant applicable in Chhattisgarh.

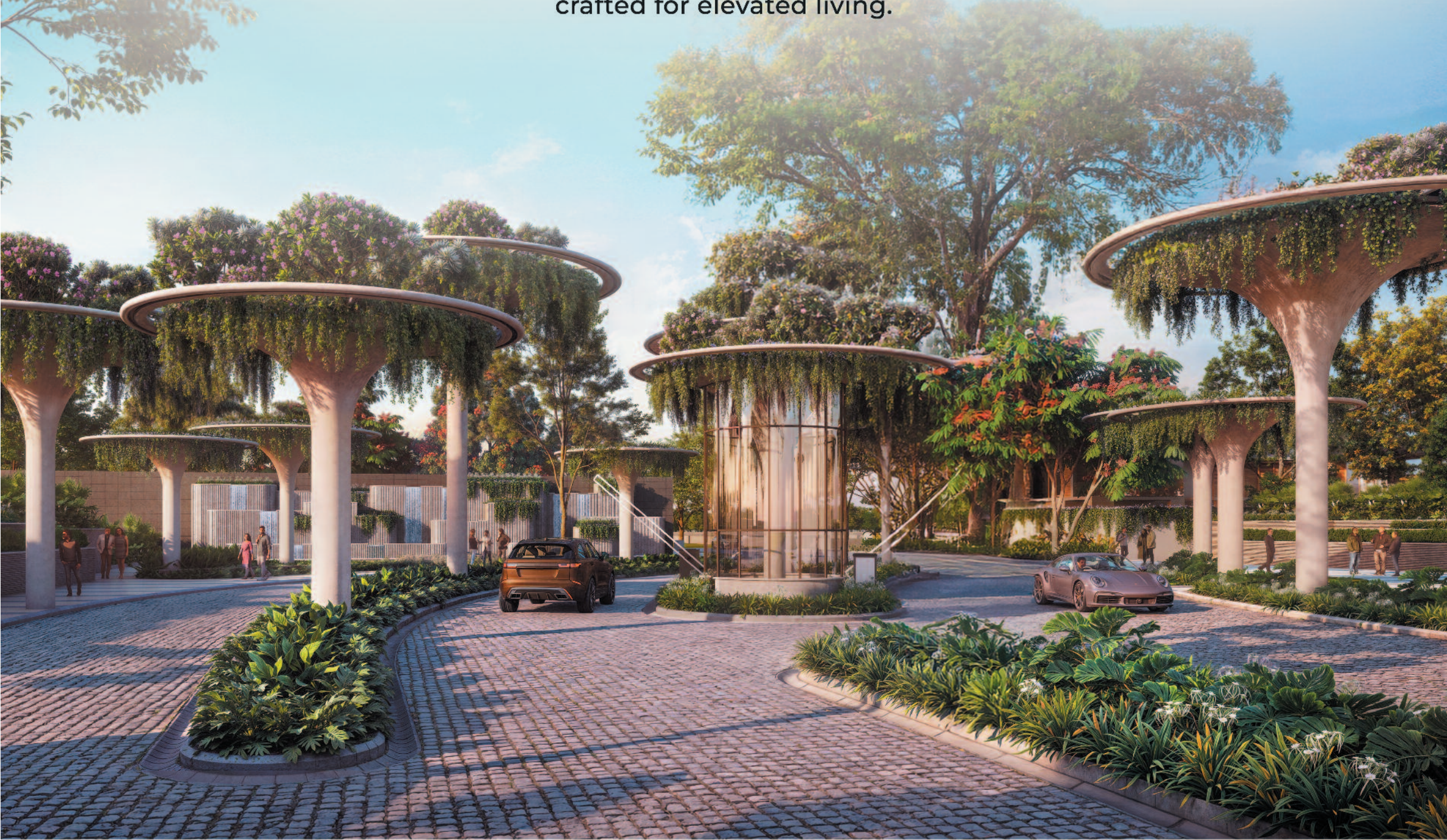
अधिकृत डीलर: रायपुर: छत्तीसगढ़ हीरो 9289922351, आरसन हीरो 9289922864, राजधानी हीरो 9289922414, राजनांदगांव: जय हीरो 9289922357, चन्नाट्टी: सत्यम हीरो 9289922525, कंकरे: राहुल हीरो 9289922834, महामुंद: वत्स हीरो 9289922623, बल्लोदबाजार: अग्रवाल हीरो 9289922959, आरंभ: श्री राम हीरो 9289922968, केनकर: श्री साई हीरो 9289922835, कवर्वा: सरस्वती हीरो 9289922958, जगदलपुर: विजयपाल हीरो 9289923064, देवेबाड़ा: जय विजय हीरो 9289922990, दक्षीराजपुरा: लक्ष्मी हीरो 9289922983, धाटापारा: कुशल हीरो 9289923052, पित्तार्ड: इंडियन हीरो 9289922355, बौहान मोटर्स, 9289233817, दुर्ग: उत्सव हीरो 9289923114, उत्सव हीरो: (स्टेशन रोड) 7000595300, एसोशिएट डीलर: रायपुर: संजय ऑटोमोबिल 9289924245, 0771-4268555, बंदीबा: ललित सर्विसेज 8770383767, धनपुरी: ओम ऑटो एजेंसी: 6261535855, वेदुझर्मी: किरण मोटर्स 9754069392, बरवा: गणपति ऑटो 9926601111/ 9340379300, चिचौरी: श्री राम मोटर्स: 8462900028/9340005833, तुलुस: श्री गुरुनानक ऑटो, 8349484458 / 7224880123, कोहता: विक्की मोटर्स: 9755583102, पांठातारई: शक्ति ऑटोमोबाइल्स: 9179036073, बरगपुर: राजधानी ऑटोमोबाइल्स, 9325529033, सुर्जिव: अंकित ऑटो: 9426240565, नवागढ़: श्री मोटर्स 9165525555/9009868689, राजिव: गुरुदेव ऑटोमोबाइल्स 9977280000, खरैरा: अग्रवाल मोटर्स 9424212141, सराबगल्ली: बंसल ऑटो 9425513611, बौधनरुद्र: युवराज मोटर्स 8085160380, तिल्ला: आरसन मोटर्स 9340335266, नवरी: हर्ष ऑटो 8109502100, पटन: दिया ऑटो 9893492107, बाबबहुरा: प्रियंका ऑटोकेयर 9131058752, कोथगामा: आहुजा ऑटोमोबाइल्स 9131794017/9993861888, भाटाकपुर: गुरुनानक ऑटो 9425596290, केसाकान: साहिल ऑटो सेल्स 9893199247, झगंडी: किरन ऑटोकेयर 9754069392, फरसनांव: राजा ऑटोमोबाइल्स 9425594144, बैरता: कान्हा मोटर्स 6260472025, कानाडोत: बजरंग मोटर्स 9425511973, बल्लोद: जैन ऑटोकेयर 9425663502, लिच्छा: माँ सरवेश्वरी ऑटोमोबाइल्स 8901361155, गरियाबंद: छत्तीगढ़ ऑटो केयर 8319358443, चरीदा: सत्यम ऑटोमोबाइल्स 9977155055, गुरदेही: एम.एन. ऑटो 9893542300/ 8720051135, वावुड: जय अम्बे ऑटो एजेंसी 9826386346, रिच्छा: भारत मोटर्स 9993417123, पिरोबर: अभिषेक ऑटो, 9977737000 / 9300093200, पित्तार्ड-3: महावीर मोटर्स, 8109100019, कुलुद: शिव ऑटो, 8305711110/ 9993454103, हरपिनार- कांकेर: अंशू ऑटो, 9406054292, क्वांजूर: रिशान सर्विसेज, 6267323235, वेहरावा पादर: गोविंद ऑटो केयर, 9303664769, कुलुदुर: दिलीप मोटर्स, 7869151152, सुकमा: आशुतोष ऑटोमोबाइल, 9425260291, भागुजतापूर: संस्कार मोटर्स, 9406203600, कानपुर: दिलीप ऑटो केयर, 7999054324, भाकोली: शुभम ऑटो केयर, 9754000069, अम्बानगढ़ चौकी: अमर मोटर्स, 9827969901, भातेबाड़ा: साई मोटर्स, 9754329434, राजिव: राजीव लोचन ऑटोमोबाइल्स, 7000186678, भागनांव: जी डी मोटर्स, 7568666243, सरसीबा: श्रीराम ऑटो, 6260060443, बीजपुर: माँ मवानी ऑटोमोबाइल्स, 9301683268/7987037477, चाराटा: श्री कर्णी ऑटोमोबाइल, 9827894444, गुडिहारी: श्री राम मोटर्स, 7697966999/9425502611, चक्राता: प्रेम ऑटो, 8770027422, डीलर एक्सपेंशन काउंटर: कानपुर: आरसन हीरो (फाफाडीह) 7428587575, 0771-4000233, पित्तार्ड (सुपेला) इंडियन हीरो 0788-4911301, 8305597651, रेडिशनल वर्कशॉप: रायपुर: आरसन मोटर्स (फाफाडीह) 7697868545/0771-4000233, आरसन मोटर्स (रिक्कपरा) 2274333/666, राजधानी ऑटो केयर, (रिंग रोड नं.1, तेलाबीचा चौक) 0771-2420037, जेन्युईन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिएस्ट: संजय ऑटोमोबाइल्स 2226732/7474. Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) रायपुर: आरसन हीरो 9285052266, पित्तार्ड: इंडियन हीरो 9289922355, दक्षीराजपुरा: लक्ष्मी हीरो 9289922983.

RS/Hero/05/26



Luxury Begins with Rama Greens Prime

Thoughtfully planned plots starting from 4000 sq. ft.
crafted for elevated living.



Strategically located with excellent citywide connectivity, Rama Greens Prime offers seamless access to the airport, malls, schools, hotels, railway station and key city landmarks. Crafted by a name trusted across generations, every detail is designed to deliver a refined living experience for those who seek it.



Sports & Active Living



Wellness Space



Temple



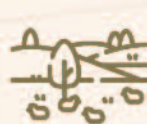
Vaastu Compliant Planning



Exotic Clubhouse



Premium Plots



Landscaped Greens

Step into better living today. Step into **Life at Rama.**



62691 50001 - 2 - 3 - 4 - 5

Site Address - Rama Greens Prime, Atal Chowk,
Atal Path Expressway, Raipur, Chhattisgarh - 492012

PCGRERA170325001894
<https://rera.cgstate.gov.in>



कई दिन बाद रायपुर में शनिवार को दोपहर बाद पंपों पर भीड़ कम रही



हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

कलेक्टर गौरव सिंह की सख्ती के बाद राजधानी रायपुर सहित जिले के पेट्रोल पंपों में पेट्रोल-डीजल की सप्लाई में तेजी आई है, जिससे पेट्रोल पंपों में स्थिति पहले की तरह सामान्य होने लगी है। हरिभूमि ने शनिवार को दर्जनभर से अधिक पेट्रोल पंपों में जाकर वस्तुस्थिति की पड़ताल की। हालात पहले से बेहतर हुए हैं। पंपों पर लाइन छोटी होने लगी है। हालांकि कुछ पंप अभी ड्राई हैं जिसकी वजह से दूसरी पंपों पर दबाव बड़ा हुआ है। रायपुर के साथ धमतरी, भिलाई और बस्तर ►►शेष पेज 7 पर

सोने का सच्चा भाव

आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट = ₹114621/-
(75.00%)

22 कैरेट रेट = ₹139990/-
(91.60%)

24 कैरेट रेट = ₹152813/-
(99.99%)

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

anand
Jewels
Pandri, Raipur

inh

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

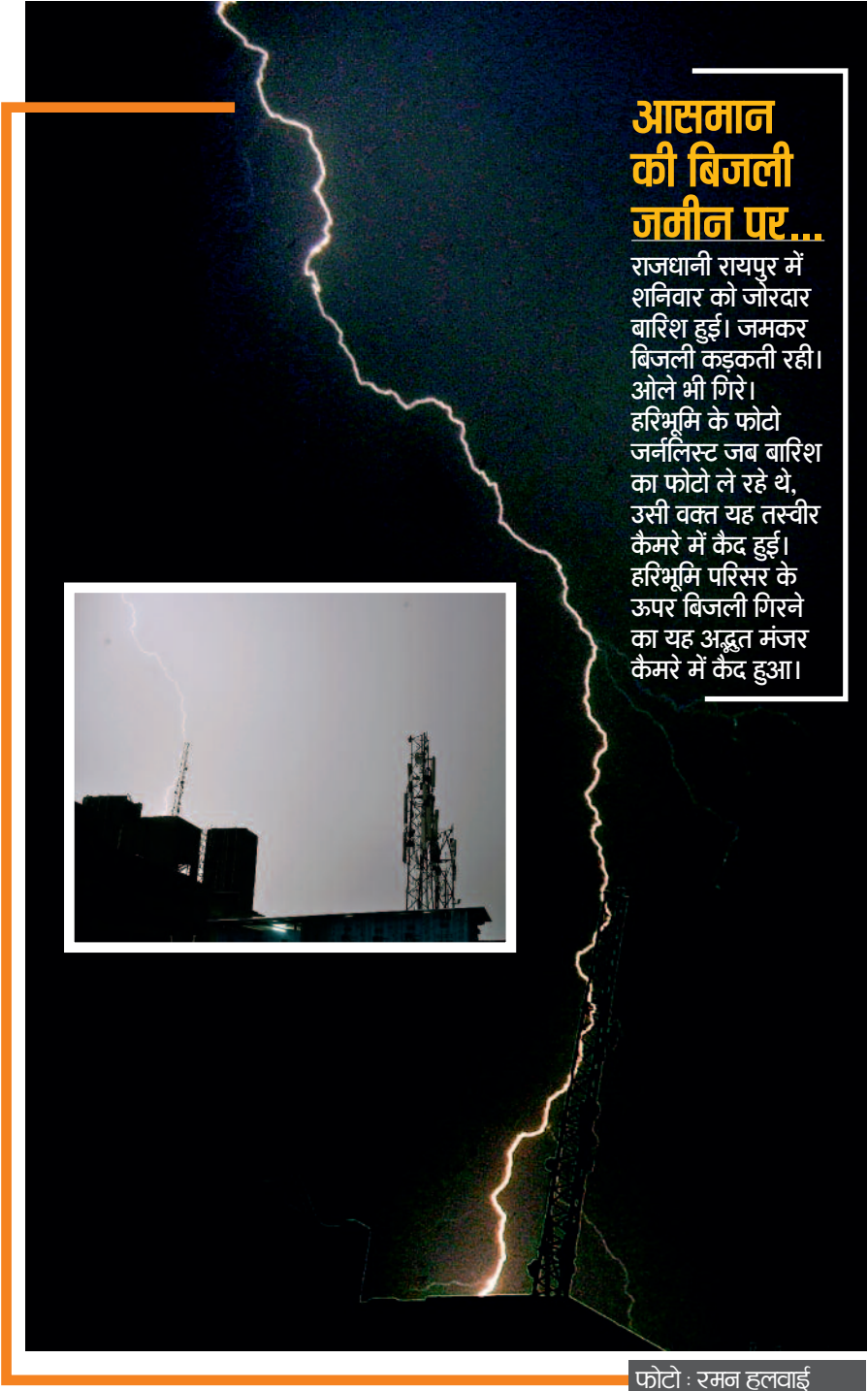
TATA sky **airtel**

चैनल नं. 1163 चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

अंडमान-निकोबार में आगे बढ़ा मानसून

नई दिल्ली। आईएमडी ने शनिवार को बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून दक्षिण-पूर्वी अरब सागर, दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर, संपूर्ण निकोबार द्वीप समूह और श्री विजयपुरम सहित अंडमान द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ चुका है। अगले तीन-चार दिनों में मानसून के दक्षिण-पूर्वी अरब सागर, दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां हैं।



आसमान की बिजली जमीन पर...

राजधानी रायपुर में शनिवार को जोरदार बारिश हुई। जमकर बिजली कड़कती रही। ओले भी गिरे। हरिभूमि के फोटो जर्नलिस्ट जब बारिश का फोटो ले रहे थे, उसी वक्त यह तस्वीर कैमरे में कैद हुई। हरिभूमि परिसर के ऊपर बिजली गिरने का यह अद्भुत मंजर कैमरे में कैद हुआ।

फोटो : रमन हलवाई

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

सख्ती और सप्लाई का असर, पांचवें दिन हालात हुए सामान्य, रायपुर कलेक्टर ने कहा-पैनिक बाइंग न करें

जगदलपुर, भिलाई, धमतरी में भी कई दिनों बाद राहत, सामान्य होने लगे हालात



स्टॉक भरपूर, पैनिक होने की जरूरत नहीं

जिले में पेट्रोल-डीजल का स्टॉक भरपूर है, इसलिए पैनिक होने की जरूरत नहीं है। 95 प्रतिशत पेट्रोल पंपों में स्थिति सामान्य हो चुकी है। 5 प्रतिशत में भी आज-कल तक सामान्य हो जाएगी। -गौरव सिंह, कलेक्टर रायपुर

दुर्ग में सप्लाई बहाल, फिर भी लंबी लांबी कतार

दुर्ग-भिलाई सहित जिले में पिछले दो दिनों से पेट्रोल और डीजल की कमी से जूझ रहे लोगों को शनिवार को बड़ी राहत मिली। शुक्रवार तक जिले के कई पेट्रोल पंप ड्राई घोषित कर दिए गए थे, जिसके चलते शहर के चुनिंदा पंपों पर सुबह से देर रात तक वाहनों की लंबी कतारें लगी रही। हालांकि शनिवार को अधिकांश बंद पंपों में दोबारा पेट्रोल और डीजल की खेप पहुंच गई, जिसके बाद हालात सामान्य होने ►►शेष पेज 7 पर



बस्तर में संकट टला

ईंधन की कमी के चलते पंपों में पेट्रोल, डीजल का संकट रहा लेकिन अब पंपों में ईंधन मिलने लगा है। शनिवार को बस्तर संभागीय मुख्यालय के सभी पंपों में ईंधन मिलने लगा और पेट्रोल, डीजल का संकट लगभग दूर हो गया है। सोनी पेट्रोल, धरमपुरा रोड, हाटकचोरा एवं पुलिस पेट्रोल पंप में वाहन चालकों को पेट्रोल, डीजल सामान्य रूप से मिला।

धमतरी में भी राहत

जिले में शनिवार को कुछ राहत देखने को मिली। शुक्रवार की तुलना में पेट्रोल पंपों पर भीड़ अपेक्षाकृत कम रही, हालांकि कई स्थानों पर अब भी सीमित मात्रा में ईंधन का वितरण किया जा रहा है। जिले के 72 पेट्रोल पंपों में से 8 पंप अब भी ड्राई की स्थिति में हैं, जहां तेल खत्म होने के कारण पंप बंद रखना पड़ा है।

बिलासपुर में स्थिति सामान्य

बिलासपुर शहर में पेट्रोल-डीजल के लिए पिछले दो दिनों से चल रही मारामारी शनिवार को समाप्त हो गई। शनिवार को पेट्रोल पंपों में लोगों की कतार नजर नहीं आई। शहर के सभी पेट्रोल पंपों में लोगों को आसानी से पेट्रोल डीजल मिलता रहा, कई पेट्रोल पंप के कर्मचारी गाहक की प्रतीक्षा करते रहे।

राज्य सरकार ने जारी किए मितव्ययिता के कड़े निर्देश, 30 सितंबर तक प्रभावी रहेंगे

मंत्रियों का काफिला छोटा, एक ही गाड़ी में चलेंगे अफसर, बैठक भी सीमित की गई

शासन के वित्त विभाग द्वारा जारी नए निर्देश के तहत तत्काल प्रभाव से सरकारी खर्चों में भारी कटौती और मितव्ययिता के उपायों को लागू कर दिया गया है। यह आदेश आगामी 30 सितंबर तक पूरी कड़ाई से प्रभावी रहेगा। नए फरमान के बाद अब मंत्रियों के काफिले से लेकर दफ्तरों में बिजली-कागज की खपत तक पर सख्ती बरती जा रही है।

महीने में केवल एक मौतिक बैठक

विभागों को निर्देशित किया गया है कि वे मौतिक बैठकें महीने में यथासंभव एक बार ही आयोजित करें। बाकी सभी नियमित समीक्षा बैठकें अनिवार्य रूप से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वर्चुअल मीट) के माध्यम से की जाएगी।

दफ्तरों में बिजली की बचत

कार्यालयीन समय (वर्किंग ऑवर्स) के बाद सभी विद्युत उपकरणों जैसे लाइट, फंखे, एसी और कंप्यूटर को अनिवार्य रूप से बंद करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि ऊर्जा की बर्बादी रोकी जा सके।



वाहन पूलिंग, ई-ऑफिस और वर्चुअल बैठकों पर जोर

इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा

राज्य के सभी सरकारी वाहनों को चरणबद्ध तरीके से इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया है।

ई-ऑफिस और डिजिटल कार्यप्रणाली

बैठकों में प्रिंटेड पेपर या बुकलेट्स की जगह इलेक्ट्रॉनिक फाइलों का उपयोग होगा। कागज और स्टेशनरी का खर्च खचाने के लिए शासकीय पत्राचार और नस्तियों का संचालन अनिवार्य रूप से ई-ऑफिस के माध्यम से किया जाएगा।

नीट पेपर लीक मामले

एनटीए की एक्सपर्ट ने ही लीक किया था बायोलॉजी का पेपर

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

सीबीआई ने शनिवार को जीव विज्ञान की उस प्रवक्ता को गिरफ्तार कर लिया, जो तीन मई को आयोजित नीट-यूजी के लिए प्रश्नपत्र तैयार करने वाली एनटीए की समिति का हिस्सा थी। यह गिरफ्तारी प्रश्नपत्र लीक मामले में कथित सरगना पी.वी. कुलकर्णी और अन्य आरोपियों से पूछताछ के आधार पर की गई है। जीव विज्ञान की प्रवक्ता मनीषा मंधारे को यहां एंजेंसी के मुख्यालय में पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया।

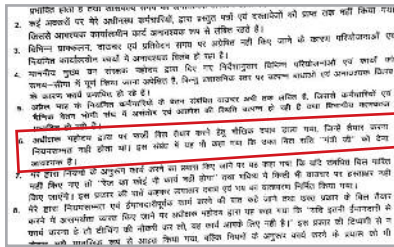
दो संयुक्त सचिवों दो संयुक्त निदेशकों की नियुक्ति की

एनटीए में दो संयुक्त सचिवों और दो संयुक्त निदेशकों की नियुक्ति की। अनुज्ञा बापट और रुचिता विज पांच साल के लिए एनटीए में संयुक्त सचिव होंगी। आकाश जैन और भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा सेवा के अधिकारी आदित्य राजेंद्र भोजगंडिया को एनटीए में संयुक्त निदेशक नियुक्त किया गया है।

अफसर बोले उच्च स्तरीय कमेटी गठित कर आरोपों की जांच करेंगे

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

नंदनवन पक्षी विहार के संयुक्त व न मं ड ला धि का री (एसडीओ) के खिलाफ रेंजर हिमांचल साहू ने वनमंत्री के नाम से वसूली करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। रेंजर ने इस बात की शिकायत रायपुर के प्रभारी डीएफओ मयंक पाण्डेय के पास की है। रेंजर ने ►►शेष पेज 7 पर



जांच के लिए कमेटी

शिकायत की कॉपी अभी मुझे नहीं मिली है, रेंजर द्वारा एसडीओ के खिलाफ लगाए गए आरोपों के बारे में जानकारी मिली है। रेंजर के आरोपों की जांच करने एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया गया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। - मयंक पाण्डेय, प्रभारी डीएफओ, रायपुर वनमंडल

फाइल रोकने और काम प्रभावित करने के आरोप

रेंजर ने एसडीओ के खिलाफ कार्यालयीन पत्र और फाइलें समय पर अद्योषित नहीं करने का आरोप लगाया है। इसके चलते रेंजर ने काम प्रभावित होने की बात का उल्लेख किया है। रेंजर के आरोपों के अनुसार उर्हें घंटों कार्यालय में इंतजार करना पड़ता है, जिससे फील्ड मॉनिटरिंग और निरीक्षण प्रभावित हो रहा है। शिकायत के अनुसार, विभिन्न प्राक्कलन, वाउचर और प्रतिवेदन समय पर आगे नहीं भेजे जाने के कारण परियोजनाओं और शासकीय कार्यों में अनावश्यक देर हो रही है।

लालपुर में 62 मिमी. वर्षा दर्ज, तेज बरसात के बीच ओलावृष्टि

तूफानी बारिश... 10 साल का रिकार्ड टूटा, 50 किमी की रफ्तार से चली आंधी, ओले भी गिरे

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

लगातार मिजाज बदल रहे मौसम ने शनिवार को तूफानी करवट ली। दिनभर उमस के बाद जोरों की गर्जना के साथ करीब डेढ़ घंटे तक जमकर बारिश हुई। बरसात इतनी तेज थी कि इसके प्रभाव से रायपुर में पिछले दस साल में गिरे पानी का रिकार्ड टूट गया। इस दौरान 50 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से चली आंधी और मूसलाधार बारिश तथा साथ में पड़े ओले से शहर में दहशत जैसी स्थिति ►►शेष पेज 7 पर

विद्युत व्यवस्था हुई प्रभावित, बहाल होने में लगे कई घंटे



गोलबाजार की सड़कों पर पानी

ऐसी हुई राजधानी में बारिश

सर्वाधिक रिकार्ड 27 मई 1904 को 24 घंटे में 80.3 मिमी. बारिश 16 मई 2026 को 62.0 मिमी. वर्षा दर्ज 3 मई 2023 में 55.4 मिमी. बारिश रिकार्ड

शहर में 40.4 डिग्री का टेंपेचर

लगातार बादल और बारिश रहने की वजह से इस बार मई की गर्मी अपना असर नहीं दिखा रही है। शनिवार को भी मारी उमस के बीच रायपुर का अधिकतम तापमान 40.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया जो प्रदेश में सबसे अधिक था। राजधानी का तापमान बीते 16 दिनों में एक बार भी 43-44 तक नहीं पहुंचा है। मौसम विभाग ने ऐसी स्थिति 3-4 दिनों में शाम के समय ऐसी ही स्थिति खने रहने का पूर्वानुमान जारी किया है। इसके साथ ही तापमान में अभी उतार-चढ़ाव की स्थिति खने रहने की संभावना है।



कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन

नमस्कार डॉक्टर साहब! हम एक ऐसा बेबी चाहते हैं, जो हमारी जेनेटिक बीमारियों से दूर रहे। उसका आई क्यू लेवल शानदार हो, चरमा न लगे उसको, टॉल फिगर हो, कॉम्लेक्शन फेयर हो।

क्या आपने कल्पना की है कि आने वाले दौर में पैरेंट्स किसी फर्टिलिटी क्लीनिक पर जाकर डॉक्टर से कुछ ऐसा कहेंगे? यह मजाक की बात या कोरी कल्पना नहीं है। विज्ञान इतनी तरक्की कर रहा है कि निकट भविष्य में यह संभव होगा। इस तकनीक से पैदा होने वाले बच्चों को 'डिजाइनर बेबी' कहा जाएगा।

क्या है यह तकनीक

डिजाइनर बेबी ऐसा बच्चा होता है, जिसके जेनेटिक स्ट्रक्चर (आनुवंशिक संरचना) को पैदा होने से पहले ही बदल दिया जाता है। यह मुख्य रूप से 'क्रिसपर-केस नाइन' जैसी जीन एडिटिंग तकनीक के जरिए किया जाता है। इसके तहत भ्रूण से खराब जीन कतरकर होने वाले माता-पिता के पसंदीदा गुणों वाले जीन को जोड़ा जा सकता है। ये कस्टम-मेड बच्चे होंगे। वांछनीय गुणों वाले बच्चे पैदा करने यानी बनाने के लिए, होने वाले माता-पिता आईवीएफ क्लीनिक में भ्रूणों का चयन बीमारी के जोखिम के आधार पर कर रहे हैं। इस प्रक्रिया को प्री-इम्प्लंटेशन जेनेटिक डायग्नोसिस कहा जाता है। मुख्य रूप से वंशानुगत बीमारियों को रोकने के लिए इसका अभ्यास किया जाता है। इसमें आईवीएफ से बनाए गए भ्रूणों की स्क्रीनिंग की जाती है और माता-पिता उस भ्रूण का चयन करते हैं, जिसे वे एक ऐसे बच्चे के लिए प्रत्यारोपित कर सकते हैं, जिसमें आनुवंशिक विकार के सबसे कम जोखिम होने की भविष्यवाणी की जाती है। इसमें एक एंब्रियो-सेलेक्शन/स्क्रीनिंग कंपनी और आईवीएफ



यूजेनिक्स क्या है

यूजेनिक्स एक ऐसा विचार और पद्धति है, जिसका उद्देश्य मानव आबादी की आनुवंशिक गुणवत्ता में सुधार करना है, जिसमें स्वस्थ और वांछनीय गुणों वाले लोगों के प्रजनन को बढ़ावा दिया जाता है और कम वांछनीय या अवांछनीय गुणों वाले लोगों के प्रजनन को रोका जाता है, जो अक्सर जबड़न लबाबदी और भेदभावपूर्ण प्रथाओं से जुड़ा रहा है, खासकर नाजी जर्मनी और अमेरिका में। इसे विज्ञान के रूप में खारिज कर दिया गया है।



कविता

अवतार सिंह अक्षरजीवी

स्लेटीपन

कोई सुख, नहीं होता पूरा सुख
कोई दुख, नहीं होता पूरा दुख
चरित्र आधे-अधूरे होते हैं
भावनाएं-कई रंगों का मिश्रण,
एक कोने पर थोड़ा-सा सफेद
दूसरे किनारे पर जरा-सा काला
इनके बीच में बहुत सारा स्लेटी होता है।
सुख में नुकसान ढूंढ़ लेता है मन
और दुख में आनंद तलाश लेता है,
गीतों में से निकाल सकते हैं कंक्रीट
और राख में भी संगीत देख सकते हैं,
किसी का स्वभाव कैसा भी हो
हमारे अनुकूल हो, बस ठीक है जैसे
गर्भियों का आलोचक है संसार लेकिन
शहर की खाली सड़कें, कम ट्रैफिक
इस ऋतु को बेहतर घोषित करने में
कहीं न कहीं विवश सा कर देता है।

अब जन्मेंगे मनचाहे डिजाइनर बेबी!

अब तक तो यही माना जाता रहा है कि जन्म लेने वाले बच्चे का रूप, रंग, गुण या उसकी कोई बीमारी प्रकृति ही निर्धारित करती है। लेकिन जेनेटिक इंजीनियरिंग की नई तकनीक से आने वाले समय में मनचाहे यानी कस्टमाइज्ड बेबी जन्म ले सकेंगे। क्या है यह तकनीक, क्या हो सकते हैं इसके फायदे या नुकसान, यहां बता रहे हैं विस्तार से।



ब्लास्टोसिस्ट क्या है

ब्लास्टोसिस्ट भ्रूण के विकास का एक प्रारंभिक चरण है, जो फर्टिलाइजेशन के लगभग 5-6 दिनों बाद बनता है, जिसमें लगभग 200-300 कोशिकाएं होती हैं और इसमें दो मुख्य भाग होते हैं, आंतरिक कोशिका द्रव्यमान (जो शिशु बनेगा) और ट्रॉफोब्लास्ट (जो प्लेसेंटा बनेगा)। यह वह अवस्था होती है, जब भ्रूण गर्भाशय की परत में प्रत्यारोपित होता है, खासकर आईवीएफ प्रक्रियाओं में।

प्रोवाइडर 8-14 दिनों तक रोजाना हार्मोन इंजेक्शन देकर कम से कम 15 अंडे निकालते हैं, जिन्हें पसंद के स्पर्स से फर्टिलाइज किया जाता है। 4-5 दिनों के बाद, एक ब्लास्टोसिस्ट बनता है। यह कोशिकाओं की एक खोखली गेंद जैसी होती है, जिसमें एक अंदरूनी द्रव्य और बाहरी परत होती है। बाहरी परत प्लेसेंटा में विकसित होती है। अंदरूनी द्रव्य भ्रूण बनता है। हर भ्रूण से निकाले गए अंशों की जेनेटिक बीमारी/क्रोमोसोमल असामान्यताओं के लिए स्क्रीनिंग की जाती है और मापे गए हर पैरामीटर के लिए पॉलीजेनिक (कई-जीन) स्कोर दिए जाते हैं। माता-पिता चुनते हैं कि कौन-सा भ्रूण इम्प्लांट करना है। दुनिया के सबसे पहले डिजाइनर बेबी होने का दावा वर्ष 2018 में चीन के वैज्ञानिक हे जियानकुई ने किया था, जिन्होंने जुड़वां बच्चों (लुलु और नाना) के जीन एडिट किए थे।

जीन एडिटिंग के प्रभाव

जीन एडिटिंग के द्वारा डिजाइनर बेबी बनाने के कई प्लस और माइनस परिणाम हो सकते हैं।
बीमारियों से मुक्ति: इस तकनीक का असली उद्देश्य बच्चों को कैंसर, अल्जाइमर और एचआईवी जैसी वंशानुगत बीमारियों से बचाना है।
बनगे सुपर ह्यूमन: जैसे-जैसे तकनीक ज्यादा विकसित होगी भविष्य में वैज्ञानिक ऐसी कोशिश कर सकते हैं, जिससे बच्चे की मांसपेशियों की ताकत और याददाश्त को बढ़ाया जा सकेगा और वे 'सुपर ह्यूमन' बन सकें। कुछ देशों में आईवीएफ क्लीनिक पहले से ही माता-पिता को बच्चे की आंखों का रंग चुनने का विकल्प देने की दिशा में शोध कर रहे हैं। वर्तमान में यह प्रक्रिया इतनी महंगी है कि इसे केवल दुनिया के अमीर लोग ही अपना सकते हैं।

चुनौतियां भी कम नहीं

जीन एडिटिंग के जरिए मनचाहे डिजाइनर बेबी बनाने की तकनीक विकसित होने के कुछ नेगेटिव परिणाम भी भविष्य में देखने को मिल सकते हैं। यदि केवल अमीर लोग ही 'जीनियस' बच्चे पैदा कर पाएंगे, तो समाज में एक नया भेदभाव उत्पन्न हो सकता है। साथ ही जीन एडिटिंग के दीर्घकालिक प्रभाव क्या होंगे, यह अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। एक छोटी-सी गलती बच्चे के स्वास्थ्य पर बहुत भारी पड़ सकती है। उसके जीवन की पूरी दिशा बदल सकती है।

जीन एडिटिंग के जरिए मनचाहे बच्चे पाने के संबंध में एक सवाल यह भी है कि भ्रूणों की एक श्रृंखला में से चुनाव या जीन-एडिटेड भ्रूणों के बावजूद, क्या माता-पिता को भ्रूण के गैर-चिकित्सा लक्षणों को चुनने की अनुमति दी जा सकती है?

जानी चाहिए? क्या जीन को चुनकर/बदलकर विशेषताओं को 'डिजाइन' किया जा सकता है? क्या आप अंततः अपने बच्चे के जेनेटिक कोड को अपनी मर्जी से बना सकते हैं? समाज शांखी कहते हैं डिजाइनर बेबी तकनीक मानव जाति के लिए एक वरदान साबित हो सकती है यदि इसका उपयोग केवल जानलेवा बीमारियों को खत्म करने के लिए किया जाए। लेकिन यदि इसे खूबसूरती और ताकत का पैमाना बनाया गया, तो यह मानवता के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर सकता है। समाज में एक नए तरह का भेदभाव और विघटन पैदा कर सकता है। कई समाजशास्त्री चिंतकों का मानना ​​है कि जीवन के साथ इस तरह का बदलाव करना प्रकृति के नियमों का उल्लंघन होगा। कुछ वैज्ञानिक चेतावनी देते हैं कि आधुनिक जेनेटिक स्क्रीनिंग और काउंसिलिंग का इस्तेमाल माता-पिता पर दबाव बनाने के लिए किया जा सकता है। अगर समाज कुछ खास लक्षणों को बढ़ावा देता है, तो प्रजनन का चुनाव सामाजिक दबाव बन जाता है। व्यवहार, बुद्धिमता या व्यक्तित्व जैसी चीजों के लिए भ्रूण की स्क्रीनिंग करना, पूर्व में सामने आए यूजेनिक्स पद्धति जैसा होगा, जिसमें यह कंट्रोल करने की कोशिश की गई थी कि किसे पैदा होने की इजाजत है।

कहने का सार है कि आने वाले समय में जीन एडिटिंग से डिजाइनर बेबी के जन्म लेने का चलन बढ़ सकता है। लेकिन इसके परिणाम कितने सकारात्मक या नकारात्मक होंगे, यह तो भविष्य में ही पता चलेगा। *



यंगस्टर्स को लुभाएंगी फ्यूचरिस्टिक जॉब्स

अपकमिंग ट्रेंड
अनु जैन

आज के दौर में यंगस्टर्स के लिए करियर की परिभाषा पूरी तरह बदल चुकी है। अब डॉक्टर, इंजीनियर या सरकारी नौकरी ही एकमात्र 'सफल' विकल्प नहीं रह गए हैं। अगर आपमें हुनर है और आप लीक से हटकर सोचने और करने का जज्बा रखते हैं, तो आज का डिजिटल युग आपको शानदार इनकम के मौके दे सकता है। अच्छी बात यह है कि 'फ्यूचरिस्टिक' जॉब्स के लिए आपको किसी बड़े कॉलेज की भारी-भरकम फीस भरकर डिग्री पाने की जरूरत नहीं है। आपमें नई टेक्नोलॉजी सीखने की लगन होनी चाहिए। ऐसे ही कुछ फ्यूचरिस्टिक जॉब्स के बारे में आप भी जानिए, ताकि आने वाले दौर के लिए आप खुद को टेकरेडी बना सकें।



डेटा डिटेक्टिव: करियर की दुनिया में कहा जाता है कि 'डेटा नया हीरो है।' डेटा साइंटिस्ट का काम बिखरे हुए आंकड़ों से अपने लिए काम की जानकारी निकालना है। यह जॉब उन युवाओं के लिए शानदार है, जिनकी गणित और लॉजिक पर पकड़ मजबूत है। इसमें शुरुआती सैलरी ही कई पारंपरिक नौकरियों के टॉप लेवल के बराबर होती है। गूगल खुद कोर्सों जैसे प्लेटफॉर्म पर डेटा एनालिटिक्स और साइबर सिक्योरिटी के सर्टिफिकेशन कोर्स कराता है। साथ ही साइबेरी, साइबर सिक्योरिटी संबंधी नई तकनीकें सीखने के लिए यह दुनिया का सबसे बड़ा फ्री कम्युनिटी प्लेटफॉर्म है।

गेमिंग और ई-स्पोर्ट्स: वीडियो गेम अब सिर्फ टाइम पास नहीं रहा। प्रोफेशनल गेमर्स, गेम स्ट्रीमर्स और गेम डेवलपर्स आज लाखों-करोड़ों में खेल रहे हैं। इंटरनेशनल ई-स्पोर्ट्स टूर्नामेंट्स में प्राइज मनी अब किसी क्रिकेट वर्ल्ड कप से कम नहीं होती। अगर आप इसमें अपनी जगह बनाना चाहते हैं, तो कुछ बातों पर ध्यान दें। अपना खास फीलड चुनें। ई-स्पोर्ट्स का मतलब सिर्फ गेम खेलना नहीं है। आप इनमें से अपनी रुचि के अनुसार कई क्षेत्र चुन सकते हैं, जैसे प्रोफेशनल प्लेयर यानी टूर्नामेंट में हिस्सा लेना, कंटेंट क्रिएटर या स्ट्रीमर यानी यूट्यूब या ट्विच पर गेमप्ले दिखाना, गेम एनालिटिस्ट/कोच यानी गेम की रणनीति समझना, मैनेजमेंट यानी टीम मैनेजर या इवेंट ऑर्गनाइजर बनना।

आपको इसके लिए जरूरी स्किल्स सीखनी पड़ेंगी। किसी एक गेम को चुनें और उसमें एक्सपर्ट बनें। इसके लिए रोजाना प्रैक्टिस और अपनी गलतियों का आकलन करना जरूरी है। इनके साथ-

जिस तेजी से तकनीक का दखल बढ़ता जा रहा है, हमारी जीवनशैली आने वाले समय में पूरी तरह बदल जाएगी। आने वाले दिनों में यंगस्टर्स को हार्ड इनकम वाली कई ऐसी जॉब्स मिलेंगी, जो पूरी तरह हाईटेक होंगी। इनमें से कुछ फ्यूचरिस्टिक जॉब्स पर एक नजर।

यंगस्टर्स को लुभाएंगी फ्यूचरिस्टिक जॉब्स

साथ टीम के साथ तालमेल बिठाने के लिए अच्छी बातचीत की कला सीखें। महारत पाने के लिए सबसे जरूरी है तकनीकी ज्ञान।
प्रॉम्ट इंजीनियरिंग: चैटजीपीटी जैसे एआई टूल्स के आने से अब 'प्रॉम्ट इंजीनियर' की भारी डिमांड हो गई है। इसमें आपको कोडिंग नहीं, बल्कि एआई से सही तरीके से काम करवाने की कला (सही निर्देश देना) आना चाहिए। बड़ी कंपनियां इसके लिए करोड़ों का पैकेज देने को तैयार हैं। इसे सीखने के लिए एंड्रयू एनजी द्वारा संचालित, चैटजीपीटी प्रॉम्ट इंजीनियरिंग फॉर डेवलपर्स एक शानदार फ्री कोर्स है। इसके अलावा लर्न प्रॉमप्टिंग एक ओपन-सोर्स गाइड है, जो आपको मुफ्त में एआई से बेहतर तरीके से कम्युनिकेट करना सिखाती है।

कंटेंट क्रिएशन और इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग: यूट्यूब, इंस्टाग्राम और पॉडकास्ट अब सिर्फ मनोरंजन के साधन नहीं, बल्कि फुल-टाइम बिजनेस बन चुके हैं। एक खास विषय पर अच्छी पकड़ और दर्शकों से जुड़ने का हुनर आपको ब्रांड एंडोर्समेंट के जरिए रातों-रात सेलिब्रिटी और अमीर बना सकता है। फाइनेंस की जानकारी देने वाले फिनान्स्युएंसर और डिजिटल मार्केटिंग का फील्ड भी अच्छा है। डिजिटल मार्केटिंग की बेसिक जानकारी के लिए आप गूगल डिजिटल रैंगर मुफ्त में इस्तेमाल कर सकते हैं।

सस्टेनेबिलिटी कंसल्टेंट: दुनिया अब पर्यावरण को लेकर गंभीर है। कंपनियां ऐसे लोगों को खोजती रहती हैं, जो उन्हें 'ईको-फ्रेंडली' बनने में मदद करें। अगर आप पर्यावरण प्रेमी हैं और बिजनेस की समझ रखते



हैं, तो यह क्षेत्र भविष्य का सबसे बड़ा मार्केट है। सस्टेनेबिलिटी कंसल्टेंट वह पेशेवर होता है, जो कंपनियों और संगठनों की पर्यावरण के अनुकूल काम करने और अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की सलाह देता है। इसके लिए संबंधित शैक्षणिक योग्यता जरूरी है। पर्यावरण प्रबंधन या ईएसजी में (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) विशेषज्ञता हासिल करना आपको प्रोफाइल को बेहतर बनाता है। एक सफल कंसल्टेंट बनने के लिए आपको तकनीकी और सॉफ्ट स्किल्स दोनों की आवश्यकता होती है। जैसे कार्बन उत्सर्जन और पानी के उपयोग जैसे डेटा का विश्लेषण करना आना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार रिपोर्ट तैयार करना आना चाहिए। अपने क्लाइंट के वित्तीय लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए स्थाई व्यावसायिक रणनीतियां बनाने की चतुराई होनी चाहिए। साथ ही आप में अपने क्लाइंट्स को जटिल पर्यावरणीय नीतियों को सरल भाषा में समझाने की कला भी होनी चाहिए। *

पतझड़



समझ पाता वह फूट-फूटकर रोने लगी। मैं एकटक उसके मन का बोझ हल्का होते देखता रहा। कुछ समय बीता और वह धीरे से कुछ बुदबुदाई। मैंने बाहर क्यों खड़ी हो? मैंने सहज भाव से उसे अंदर आने का निमंत्रण दिया। ऐसा लगा कि हम वर्षों वर्ष अलग रहने के बावजूद भी भावनात्मक रूप से वहीं जुड़े हुए हैं। गहरी चुप्पी के साथ वह अंदर आ गई और सोफे के एक किनारे पर सिमट कर जड़वत बैठ गई। 'आज अचानक, इस तरह!' मैंने खामोशी को तोड़ने का प्रयास किया। सुनते ही उसकी आंखों में लाल डोरे तैरने लगे, जिन्हें मैंने साफतौर पर महसूस किया। 'कुछ परेशान सी हो! क्या हुआ?' मेरे यह पूछते ही वह संयम खो बेठी। आंखों में बरसों से सिमटा दर्द एकाएक आंसुओं की धार बनकर बह निकला। जब तक मैं कुछ

सालों से! देखो तो चाय ठीक बनी है या नहीं? मिनी ने हां में सिर हिलाया और उसकी आंखें मेरे चेहरे पर ठहर गईं। प्रश्नां की यह मूक भाषा मैंने उसकी आंखों में पहली बार पढ़ी थी। 'तुम्हें पता है सुमी! मैं भी इतने बरस, इतनी अकेली रही हूं कि चैन की एक सांस भी न ले सकी। हर घड़ी तुम्हारे साथ बीते पल मुझे कुरेदते रहते। मेरा अहंकार धुंध धीरे-धीरे खोखला करता गया और मैं घुन लगे पेड़ की तरह अंदर से बिल्कुल बेजान हो गई। मुझमें

अकेले खड़े रहने की भी ताकत नहीं बची, सुमी मैं टूट गई हूं। मुझे मेरा सहारा वापस दे दो प्लीज। अब मैं तुम्हारे सहारे जीना चाहती हूं।' उसका क्रंदन मुझे भीतर तक सालता चला गया। दस साल पहले वह उस पत्ते की तरह मुझसे अलग हो गई थी, जो पतझड़ के मौसम में एक क्षण में अपनी शाख से अलग हो जाता है। उसने मुझकर भी नहीं देखा था तब। घर छोड़कर जाते समय उसने अपने दोनों बच्चों रजत और सजल को भी नहीं पुकारा। एक निष्ठुर मां बनकर उसने घर में कदम न रखने की कसम खाई थी और फिर लौटकर नहीं आई। आज दस साल बीतने के बाद वक्त ने करवट ली थी और हम दोनों उसी कमरे में एक बार फिर साथ बैठे हैं। *

-डॉ. सुबोध भटनागर

पापा-पापा आप ये क्या देख रहे हैं?' अशोक के बेटे ने पूछा। 'बेटा एक पुरानी तस्वीर देख रहा हूं। अपने नाना-बहनों की।' आंखें नम करते हुए अशोक ने जवाब दिया। 'कौन-कौन है ये?' बेटे ने तस्वीर को गौर से देखते हुए पूछा। तस्वीर को दिखाते हुए अशोक बोले, 'पीली ड्रेस वाली तेरी बड़ी बुआ, पिंक ड्रेस में मंझली बुआ और लाल में जो बैठी है, वो छोटी बुआ।' 'और ये यही ड्रेस में कौन है?' बेटे ने पूछा। 'अशोक ने बताया। 'इसका मतलब नीली शर्ट वाले आप ही हैं।' बेटे ने शरारती लहजे में कहा। अशोक ने मुस्कुराते हुए हां में गर्दन हिला दी। 'लेकिन पापा इनको तो मैंने कभी देखा ही नहीं। बुआ और चाचू अब कहाँ हैं और अपने घर क्यों नहीं आते?' बेटे ने फिर सवाल किया। अशोक ने स्वयं को संभावन हुए कहा, 'हम सबको पिताजी ने यानी तुम्हारे दादाजी ने खूब पढ़ाया-लिखाया लेकिन...' 'लेकिन क्या पापा?' बेटे ने पूछा। 'ये सब विदेश में जाकर बस गए वहीं बड़ी-बड़ी कंपनियों में इंजीनियर हैं।' अशोक ने उदास मन से जवाब दिया। 'आप क्यों नहीं गए विदेश पापा पढ़े-लिखे तो आप भी बहुत है।' बेटे ने पूछा। 'बेटा, मैं भी जाने को तो चला जाता लेकिन बूढ़े मां-बाप की

तस्वीर



जिम्मेदारी थी मुझ पर... उनकी देखभाल जो करनी थी।' अशोक ने कहा। 'तो क्या बड़े का ही कर्तव्य होता है मां-बाप की सेवा करना, छोटा का नहीं?' बेटे ने थोड़ा गंभीर होते हुए पूछा। 'होता तो है लेकिन कोई समझे तब ना।' उन्होंने लंबी सांस भरते हुए कहा। बेटे का चेहरा उतर गया। उसके उतरे चेहरे को देखकर अशोक ने पूछा, 'अरे तुमने मुंह क्यों लटका लिया?' उसने धीरे से कहा, 'इसका मतलब तो यह हुआ कि मैं बड़ा होकर विदेश नहीं जा सकता।' 'क... क... क्यों... नहीं जा सकते तुम?' अशोक ने आश्चर्य से पूछा। 'मैं तो आपका इकलौता बेटा हूं ना इसलिए। मुझे तो बड़े होने की भूमिका निभानी है, छोटे होने की नहीं।' बेटावह कहते हुए अपने पापा के गले से लिपट गया। बेटे पर एक पलतू एलबम के पन्ने हवा के संग फड़फड़ा रहे थे। *

-गोविंद भारद्वाज

प्रतिका चर्चा / विज्ञान भूषण

लोक-संस्कृति का प्रवाह

रंजन चतुर्वेदी लिखते हैं, 'संस्कृति जीवन के साथ चलती है, जीवन के प्रवाह में बहती है, जीवन को गति देती है, जीवन को प्रेरित और निर्देशित करती है।' रमई काका पर गंगा प्रसाद शर्मा का लेख, कजली पर कृष्ण कुमार यादव का लेख, लावणी



लोकनृत्य पर इंदिरा किसलय का लेख समेत पूर्वोत्तर राज्यों की सांस्कृतिक विरासत पर भी बढ़िया लेख यहां पढ़े जा सकते हैं। बंगाल के लोक साहित्य पर अल्पना सिंह का लेख, छत्तीसगढ़ के लोकगीत और लोकनृत्य पर ममता तिवारी का लेख भी पठनीय है। इनके अलावा 'महुआ घटवारी' एक

अधूरी प्रेम कहानी' (कहानी), 'गर्व या मातम' (लघुकथा) और लोक-सांस्कृतिक रंग में रंगी बुद्धिनाथ मिश्र, आकांक्षा द्विवेदी, कृष्ण बिहारी, उद्भ्रांत की कविताएं विशेष रूप से पठनीय हैं। वरिष्ठ कवि बाल स्वरूप राही के साक्षात्कार ने इस अंक की महत्ता को और बढ़ा दिया है। *

प्रतिका: नवोदित प्रवाह-वर्षाकांक 2026 (लोक संस्कृति विशेष), संपादक: रजनीश त्रिवेदी 'आलोक', मूल्य: 200 रुपये, प्रकाशन स्थल: देहरादून, उत्तराखंड

 भारतीय स्टेट बैंक एच.एल.सी.- अंचल कार्यालय, बैल बाजार, रायपुर छ.ग. फोन- 0771-4404039, फैक्स- 0771-4404334			
नियम 8(1) कच्चा संबंधी नोटिस (अवल संपत्ति हेतु) जबकि, अपोहस्ताक्षरी, जो कि भारतीय स्टेट बैंक के प्राधिकृत अधिकारी हैं, वे निर्यात आरतियों का प्रतिप्रतिपन्न और पुर्णतः तथा प्रतिप्रति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन और प्रतिप्रति हित का (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रवर्तन शक्तियों का प्रयोग करते हुए रुकणी / जमानतदार को डिमांड नोटिस को तब तक प्रेषित नहीं करवायी जाती है, ऊक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर अवन कर्तनी जमा किया गया। कच्ची धारा उक्त प्राप्ति चुकाने में असफल होने के कारण, एतद्वारा रुकणी / जमानतदार को एवं जन्सामना को सामान्य रूप से नोटिफ़ेड ही जाती है कि अपोहस्ताक्षरी ने प्रतिप्रति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 (12) के अंतर्गत जन्स प्रत्यु अधिकार का प्रयोग करते हुए यहां नहीं वगैरि समर्थियों का कच्चा निम्नांकित दिनांक को ले लिया है। विशेष खे से कच्ची / जमानतदार और जन्सामना को तब तक द्वारा चेतावनी दी जाती है कि इस संदर्भ में संबंधित कोई नवन नवन नहीं को। निम्नलिखित समर्थियों से संबंधित किसी भी प्रकार का लेन देन इस पर वगैरि बकाया राशि के विषय भारतीय स्टेट बैंक की संपत्ति धारा के निम्न प्राप्ति के अधधीन हो। कच्ची / जमानतदार को का ध्यान प्रतिप्रति परीपत्तियों को मोचन (redeem) कराने के संबंध में उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा 8 के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।			
क्र. उधारकर्ता का नाम	मांग सूचना / कच्ची की तिथि	बकाया राशि	अवल संपत्ति का विवरण
1. उधारकर्ता- श्रीमित भुधवार्य पिता श्री विष्णु दास भुधवार्य श्रीमित कचन भुधवार्य पिता श्री श्रीमित भुधवार्य	(1) 04.11.2025 (2) 16.05.2026	रु. 725757.00/- + ब्याज एवं अन्य शुल्क	पलेट नंबर ई-404, चौथी मंजिल, सुपर निर्मित क्षेत्र-690 वर्गफीट, अनुमह रेजीडेंसी, ग्राम-मोडवावा, प.ह नं. 108/38, आर.एन.मडन-रायपुर-1, ग्राम निगम क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड
क्रमांक-04 यदि यतन लावा एवं मांगीवारा बरती के साथ रिथत है, जिसका खसरा नं. 549/1 का समिलित क्षेत्र-0.193 हेक्टर, खसरा नंबर-549/2 का समिलित क्षेत्र-0.183 हेक्टर, खसरा नंबर-55/1 का समिलित क्षेत्र-0.511 हेक्टर, खसरा नं. 551/2 का समिलित क्षेत्र-0.203 हेक्टर खसरा नं. 552/3 का समिलित क्षेत्र-0.286 हेक्टर, खसरा नं. 555/14, 556/14, 557/16 का समिलित क्षेत्र-0.101 हेक्टर, कुल क्षेत्रफल-0.983 हेक्टर जिसमें बहुमजिला भवन निर्मित है जिसका नाम "अनुमह रेजीडेंसी" है, तहसील एवं जिला- रायपुर (छ.ग.) पर स्थित संपत्ति का समस्त भाग तथा अंश। (संल डीड दिनांक 31/05/2019, पुस्तक क्रमांक 1, खंड क्रमांक 73584, पृष्ठ क्रमांक 227 से 272, डीड क्रमांक 1391) सीमाएं- उत्तर- दक्षिण, दक्षिण-वर्क-एर, पूर्व-पलेट नं ई-403, पश्चिम-पॉडियम गाउन.			
2. उधारकर्ता- श्रीमती कचन भुधवार्य पिता श्रीमित भुधवार्य, श्रीमित भुधवार्य पिता श्री विष्णु दास भुधवार्य	(1) 04.09.2025 (2) 16.05.2026	रु. 1300417.00/- + ब्याज एवं अन्य शुल्क	पलेट नंबर ई-404, चौथी मंजिल, सुपर निर्मित क्षेत्र-690 वर्गफीट, अनुमह रेजीडेंसी, ग्राम-मोडवावा, प.ह नं. 108/38, आर.एन.मडन-रायपुर-1, ग्राम निगम क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड
क्रमांक-04 यदि यतन लावा एवं मांगीवारा बरती के साथ रिथत है, जिसका खसरा नं. 549/1 का समिलित क्षेत्र-0.193 हेक्टर, खसरा नंबर-549/2 का समिलित क्षेत्र-0.183 हेक्टर, खसरा नंबर-55/1 का समिलित क्षेत्र-0.511 हेक्टर, खसरा नं. 551/2 का समिलित क्षेत्र-0.203 हेक्टर खसरा नं. 552/3 का समिलित क्षेत्र-0.286 हेक्टर, खसरा नं. 555/14, 556/14, 557/16 का समिलित क्षेत्र-0.101 हेक्टर, कुल क्षेत्रफल-0.983 हेक्टर जिसमें बहुमजिला भवन निर्मित है जिसका नाम "अनुमह रेजीडेंसी" है, तहसील एवं जिला- रायपुर (छ.ग.) पर स्थित संपत्ति का समस्त भाग तथा अंश। (संल डीड दिनांक 31/05/2019, पुस्तक क्रमांक 1, खंड क्रमांक 73584, पृष्ठ क्रमांक 227 से 272, डीड क्रमांक 1391) सीमाएं- उत्तर- दक्षिण, दक्षिण-वर्क-एर, पूर्व-पलेट नं ई-403, पश्चिम-पॉडियम गाउन.			
3. उधारकर्ता- श्री इंदु कुमार खलवानी पिता श्री भवराव खलवानी एवं जमानतदार- श्रीमती कविता खलवानी पिता श्री इंदु कुमार खलवानी	(1) 07.02.2026 (2) 15.05.2026	रु. 240592.00/- + ब्याज एवं अन्य शुल्क	खसरा नं. 347/02 एवं 348/2, खाता नंबर-665, क्षेत्र-972 वर्गफीट, ग्राम-गुडियावा, प.ह नं.-107, आर.एन.मडन-रायपुर वन, वार्ड नं.-11, तहसील एवं जिला-रायपुर (छ.ग.)
अविकसित क्षेत्र में स्थित परिवर्तित आवसीय खुली भूमि का समस्त भाग तथा अंश (संल डीड दिनांक 20/05/2003, पुस्तक क्रमांक-अ-1, खंड क्रमांक-27776, पृष्ठ क्रमांक-52 से 59, संख्या क्रमांक-602(ग)) सीमाएं- उत्तर- वाघवानी की भूमि, दक्षिण- अन्य की भूमि पूर्व- आठवानी की भूमि पश्चिम- सड़क.			
4. उधारकर्ता- श्रीमती मीरा अर्पण पिता श्री मुखेश कुमार आर्य, जमानतदार- श्री मुखेश कुमार आर्य पिता श्री कृष्णदर आर्य	(1) 12.03.2026 (2) 15.05.2026	रु. 2042816.00/- + ब्याज एवं अन्य शुल्क	संपत्ति का समस्त भाग तथा अंश, जो विक्रयकारी संस्था के आवसीय एवं कच्ची की भूमि से संबंधित है, एक परिवर्तित आवसीय भूमि है, जिसके लिए विक्रयकारी संस्था द्वारा नामक
आवासीय कॉलोनी हेतु टाउन एवं कंट्री प्लानिंग विभाग से ले-आउट की स्वीकृति प्राप्त की गई। श्री कडि-सिंह लोत्तस पति सेक्टर-2 प्लॉट नं.-0808, क्षेत्रफल 990 वर्ग फुट, खसरा नं.-1598/1 का भाग, भूल पर निर्मित है-940 वर्ग फुट का आवसीय मकान स्थित है। उक्त संपत्ति विक्रय की गई भूमि ग्राम निगम सीमा के बाहर स्थित ग्राम भागियालोक में स्थित है। एक संपत्ति ग्राम भागियालोक, प.ह नं.-00081, आर.एन.एम.-रायपुर-1, तहसील एवं जिला- रायपुर (छ.ग.) में स्थित है। (संल डीड दिनांक 01/12/2002, पुस्तक क्रमांक-1, खंड क्रमांक-1305, पृष्ठ क्रमांक-341 से 375, डीड क्रमांक 6292) सीमाएं- उत्तर- प्लॉट नं.-0808ए, दक्षिण-प्लॉट नं.-0808ए, पूर्व- नाली, पश्चिम-सड़क.			
5. उधारकर्ता- कुमारी सुनंदा सिंह पिता श्री यादवदेव सिंह, श्रीमती कविता सिंह बघेल पिता श्री यादवदेव सिंह बघेल	(1) 12.03.2026 (2) 15.05.2026	रु. 1798107.00/- + ब्याज एवं अन्य शुल्क	मकान नं ई-88व्हायर-178, कबीर नगर, तहसील एवं जिला- रायपुर (छ.ग.) में स्व-विकासीय योजना के अंतर्गत स्थित निर्मित संपत्ति का समस्त भाग तथा अंश (संल डीड दिनांक 15/07/2014, पुस्तक क्रमांक-पृष्ठ-1, खंड क्रमांक-63835, पृष्ठ क्रमांक-1 से 14, संख्या क्रमांक-2878(ग))
सीमाएं- उत्तर- सड़क, दक्षिण- ई-88व्हायर-192, पूर्व-ई-88व्हायर-179, पश्चिम- सड़क.			
6. उधारकर्ता- श्रीमती टीका ठक्कर पिता श्री विशांतर ठक्कर, सह-उधारकर्ता- श्री निखिल ठक्कर ठक्कर पिता श्री विशांतर ठक्कर	(1) 23.05.2025 (2) 16.05.2026	रु. 1478066.00/- + ब्याज एवं अन्य शुल्क	खसरा नं 1338, खाता नं 512 का भाग, प.ह नं 107, वार्ड नं 8, नेताजी कंधेलाल वावा वार्ड, ग्राम-गुडियावा, आर.एन.आर.सी.1-रायपुर, तहसील- बजिला-रायपुर (छ.ग.) में क्षेत्रफल-1025 वर्गफुट
लकीट पर स्थित आवसीय भूमि एवं मकान का समस्त भाग तथा अंश (संल डीड दिनांक 14/03/2013, पुस्तक क्रमांक-अ-1, खंड क्रमांक-57908, पृष्ठ क्रमांक 38 से 47, संख्या क्रमांक- 5078(ग)) सीमाएं- उत्तर- मुलीधर बजरी की भूमि, दक्षिण- टीकू झां का मकान, पूर्व- मुलीधर बजरी की भूमि, पश्चिम- सड़क.			
दिनांक: 15.05.2026, स्थान- रायपुर		प्राधिकृत अधिकारी, भारतीय स्टेट बैंक	



कठिन समस्याओं के लिए **भरोसेमंद** टॉनिक

पूरे माह रहें एक्टिव, फिट एवं स्वस्थ

Clinically Tested*
For efficacy and safety

67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक एवं टेबलेट्स

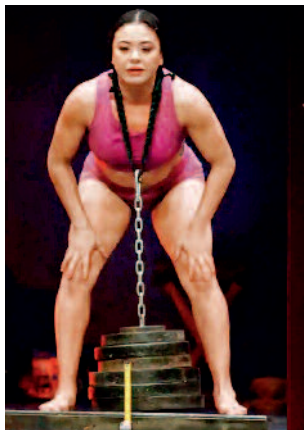
पहले महीने असर देखें



- कठिन दर्द
- चिड़चिड़ापन
- थकान
- कमजोरी
- कमर कटना
- इम्यूनिटी

24x7 Helpline: 77106 44444 • www.sachisaheli.in

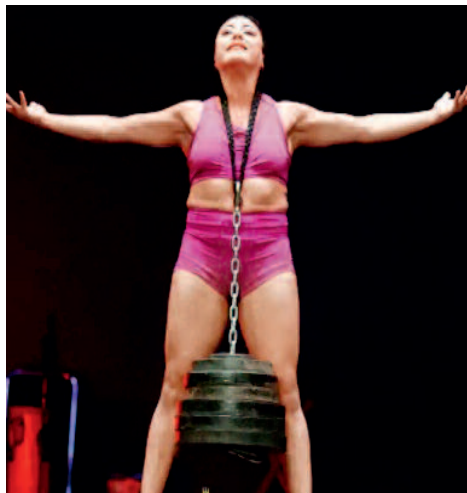
महिला ने बालों से उठाया 75 किलो वजन अपने नाम किया नया विश्व रिकॉर्ड



मेक्सिको। बाल महिलाओं के श्रृंगार का सबसे अहम हिस्सा होते हैं, जो उनकी खुबसूरती में चार चांद लगा देते हैं। हालांकि, कुछ महिलाएं इन्हीं बालों को अपनी सबसे बड़ी ताकत बना लेती हैं। ऐसा ही कमाल मेक्सिको की रहने वाली एक पॉवरलिफ्टर महिला ने कर दिखाया है। आपको जानकर हैरानी होगी कि उन्होंने महज अपने बालों के जरिए 75 किलोग्राम का वजन उठाया है। ऐसा करके उन्होंने अपना नाम गिनीज बुक में शामिल कर लिया है।

**चोटियों में बांधकर
उड़ाया इतना वजन**

मैक्सिको के पोतोसी स्थित सैन लुइस की रहने वाली इराना एलिजाबेथ ब्रैट्स हमसाला ने यह हैरतअंगेज कर्मशास्त्रा कर दिखाया। वह पेशे से एक प्रतिभाशाली सर्कस कलाकार भी हैं। उन्होंने 28 फरवरी, 2026 को पैज थिएटर में यह रिकॉर्ड कायम किया। उन्होंने स्टेज पर खड़े होकर अपनी 2 चोटियों में 6 वजन ठोकर वाली प्लेटें बांधी, जिनका कुल वजन 75.35 किलोग्राम था। अब वह बालों से सबसे ज्यादा वजन ठोकर वाली महिला बन गई हैं।



एलिजाबेथ ने रिकॉर्ड के लिए महीनों की थी मशक्कत

एलिजाबेथ ने अपने इस प्रयास से भारतीय वेटलिफ्टर आशा रानी का पिछले रिकॉर्ड तोड़ा है। उन्होंने जुलाई 2014 में पंजाब के रामपुर में अपने बालों से 122.58 पाउंड (55.6 किलोग्राम) भार उठाया था। इस बेहतरीन रिकॉर्ड को कायम करने की तैयारी एलिजाबेथ पिछले 26 सालों से करती आई हैं। इस प्रयास के लिए एलिजाबेथ ने 6 महीने तक प्रशिक्षण लिया, ताकि वह सिर, गर्दन और पीठ पर पड़ने वाले दबाव को सहन कर सके।

ऐसे कर पाईं यह काबिले तारीफ कारनामा

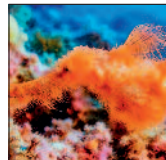
तैयारी के दौरान एल्लिजाबेथ ने जिम में रखी भारी डिस्क को एक स्टील की वेन में जोड़ा था। ऐसा करके उन्होंने एक ऐसा उपकरण बना लिया, जिसे वह अपनी चोटियाँ से जोड़ सकती थीं। धीरे-धीरे करके उन्होंने वजन बढ़ाना शुरू किया और योजना अभ्यास भी करती रहीं। रिकॉर्ड प्रयास से पहले उन्होंने वजन को 2 बराबर भागों में बाँटकर 2 चोटियाँ बनाई और उन्हें एक राबर बैंड से एक साथ जोड़ा।

एलिजाबेथ का दूसरा करतब देख भी हैरान थे लोग

एलिजाबेथ ने न केवल बालों से 75.35 किलोग्राम वजन उतारा, बल्कि उसे 14 सेकंड तक उठाए रखने में कामयाब भी रही। एलिजाबेथ यहीं नहीं रुकीं, बल्कि उन्होंने उसी रात एक और हैरतअंगेज करतब कर दिखाया। अपने इस शानदार प्रदर्शन के बाद वह एक बार फिर मंच पर लौटीं और अपने पूरे शरीर का वजन हवा में केवल अपने बालों की ताकत से लटकाए रखीं।

समंदर के नीचे दुर्लभ
पाइपफिश की शक्ल
देखकर वैज्ञानिक हैरान

नई दिल्ली। ग्रेट बैरियर रीफ में समुंदर के नीचे एक ऐसी मछली मिली है जिसका चेहरा और शरीर हूबहू 'सेसमी स्ट्रीट' के मिस्टर स्नफ़लपगस जैसा है।



मरीन बनोले। जिससे मरीन बायोलाॅजिस्ट डेविड हारपरी ने बताया कि एक बार इसे देखने के बाद आप इसकी तुलना करने से खुद को रोक नहीं पाएंगे। इस मछली की समानता इतनी ज्यादा थी कि शो की टीम ने भी इसका नाम स्नफलपगस रखने की मंजूरी दे दी है। जर्नल 'फिश बायोलॉजी' में इससे 'सोलेनोस्टोमस स्नफलपगस' के नाम से दर्ज किया गया है। समंदर की गहराइयों में एक ऐसी मछली मिली है जो हृवहृव मशहूर बच्चों के शो 'सेसमी स्ट्रीट' के कैरेक्टर मिस्टर स्नफलपगस जैसी दिखती है।

अमेरिकी पेंटर बॉब रॉस की 30 दुर्लभ पेंटिंग होने वाली हैं नीलाम, करोड़ों में लगेगी कीमत

वाशिंगटन। बॉब रॉस अमेरिका के मशहूर पेंटिंग और कार्टा प्रशिक्षक थे, जिनकी पेंटिंग चर्चा में आती रहती हैं। उन्होंने 20 साल अमेरिकी वायु सेना में काम किया था, जिसके बाद उन्होंने पेंट बनने के सपने को पूरा करने का निर्णय लिया। बॉब 'द बेस्ट ऑफ जॉय ऑफ पेंटिंग' टीवी शो के होस्ट भी हुआ करते थे। अब उनकी एक नई, बल्कि 30 पेंटिंग नीलाम होने वाली है। इस नीलामी से जुटाई जाने वाली राशि सार्वजनिक टीवी स्थलों को दान दी जाएगी।



क्या है इन पेंटिंग को बेचने की वजह?

डोनाल्ड ट्रंप ने सार्वजनिक प्रसारण के लिए आवंटित 100 करोड़ रुपये की राशि समाप्त कर दी है। इसके बाद लगभग 330 सार्वजनिक प्रसारण सेवा और 246 राष्ट्रीय सार्वजनिक रेडियो स्टेशन वित्तीय सहायता की तलाश में हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए बाँब की इन पेंटिंग को बेचा जा रहा है।

कब और कहां होने वाली है नीलामी?

इस नीलामी का आयोजन लॉस एंजिल्स स्थित बोनहप्स नामक नीलामीघर द्वारा आयोजित करवाया जा रहा है। बाँब की 3 पेंटिंग 11 नवंबर को बेची जाएगी, जो लॉस एंजिल्स में होगी। इसके बाद बाँब सभी पेंटिंग को लंदन, न्यूयॉर्क और बोस्टन में बेचा जाएगा। कुछ पेंटिंग नीलामीघर की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन भी नीलाम की जाएगी। सभी नीलामियों से मिलने वाले पैसे अमेरिकी पब्लिक टेलीविजन को दान कर दिए जांगे, ताकि नए टीवी शो बनाने में मदद मिले।



संजीवनी



कैंसर केयर हॉस्पिटल

आधुनिक कैंसर थेरेपी

के लिए विशेषज्ञों की कुशल टीम



डॉ. अनिकेत ठाकुर
MD, DNB, ESMO
कीमोथेरेपी, टार्गेटेड
व इम्यूनोथेरेपी



डॉ. आयुष दुबे
MB, DM (Medical
Oncology), ESMO
कीमोथेरेपी, टार्गेटेड
व इम्यूनोथेरेपी

👍 कीमोथेरेपी
👍 टार्गेटेड थेरेपी
👍 इम्यूनो थेरेपी

एडवांस्ड कैंसर प्रबंधन - स्टेज 4

कैंसर हेतु मल्टीडिसिप्लिनरी केयर

दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर, +91 7389905010

Vagina Tightening
(सेक्स अंगों की कॉस्मेटिक सज्जी)
by
फ्रैशनल लेजर द्वारा
Fat Injection
(मदिलता व पुरुष दोनों हेतु)
कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सज्जी एवं बर्न सेंटर
आर.के.सी. के सामने, जी.ई. रोड, चौबे क्लोनी
कलर्स मार्केट के पास, पतपेड़ी नाका, तखपुर (ड.म.)
9827143060
Ajay Adv

NPCI | ALWAYS
FORWARD
भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम
NATIONAL PAYMENTS CORPORATION OF INDIA

BHIM | भारत का अपना —
पेमेंट्स ऐप
BHARAT INTERFACE FOR MONEY

BHIM app से करो पे।
इट्स द **माही वे।**

मोबाइल रिचार्ज

बिजली बिल

मेट्रो/बस टिकट

गैस बिल

हर महीने **₹300** तक **कैशबैक** पाइए।

*नियम व शर्तें लागू।

Download Now